बुधवार
12 जून 2024

पृष्ठ 4

गर्मियों में दूध को खट्टा होने से रोकने...

पृष्ठ 5

नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 130
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आँख के अंधे को दुनिया नहीं दिखती, काम के अंधे को विवेक नहीं दिखता, मद के अंधे को अपने से श्रेष्ठ नहीं दिखता और स्वार्थी को कहीं भी दोष नहीं दिखता।
— चाणक्य

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मौसम की चौतरफा मार से प्रदेशवासी परेशान

भीषण गर्मी, धधकते जंगल व पेय जल संकट से हाहाकार

विशेष संवाददाता

देहरादून। जून के महीने में आसमान से आग बरस रही है। तापमान पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड तोड़ चुका है। न मैदानी भागों में चैन है न पहाड़ पर सुकून। ऊपर से राज्य के धधकते जंगलों से उठती लाल-लाल लपटे तो अब आबादी क्षेत्र तक पहुंच रही है। यही नहीं राज्य के कई हिस्सों में पेयजल का भीषण संकट खड़ा होने से लोगों में हा-हाकार मचा हुआ है।

उत्तराखंड राज्य इन दिनों मौसम की ऐसी चौतरफा मार झेल रहा है। पौड़ी और अल्मोड़ा के जंगलों की आग विकराल रूप ले चुकी है वहीं नैनीताल क्षेत्र में जंगलों की आग ने तांडव मचा रखा है। पौड़ी के श्याम बडोली गांव में जंगल में लगी आग से एक वेडिंग हॉल जलकर राख हो गया। वेडिंग हाल में रखा लाखों का सामान जल गया। राज्य में अब तक वनाग्नि के 1210 घटनाएं दर्ज की जा चुकी है जिसमें 1670 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया है और सरकारी अनुमान के अनुसार 34 लाख

●जंगल की आग से वेडिंग हॉल जलकर राख
●बड़कोट में पेयजल संकट, धरने पर लोग

से अधिक की संपदा का नुकसान हो चुका है। वजह चाहे ग्लोबल वार्मिंग की हो या धधकते जंगलों की, राज्य में इस साल तापमान ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अभी 15-16 जून तक राज्य में भीषण गर्मी और हीट वेव की संभावना जताते हुए पारा 42-43 डिग्री के होने की बात कही गई है अभी मानसून आने में 10 से 15 दिन का समय लग सकता है। तब तक लोगों को इस समस्या से निजात मिलने वाली नहीं है।

उधर राज्य के कई हिस्सों में लोगों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है उत्तरकाशी के बड़कोट में बीते कई सप्ताह से लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान है। बीते एक सप्ताह से लोग धरने पर बैठे हैं और अब बड़े जनान्दोलन की तैयारी में है। उधर विकासनगर जुडली गांव में जल संकट की मार झेल रहे 30-40 परिवार पानी न होने के कारण परेशान हैं। भीषण गर्मी में अगर पीने के लिए पानी न मिल पाए तो क्या हालात हो सकते हैं इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है।

पूरे उत्साह के साथ लड़ेंगे उपचुनाव: माहरा || दोनों सीटों पर जीत दर्ज करेगी भाजपा: भट्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा की दो सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित होते ही भाजपा और कांग्रेस ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी है। दोनों ही पार्टियों के नेताओं का कहना है कि दो से तीन दिन के अंदर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि प्रत्याशियों के नामों के पैनल तैयार किये जा चुके हैं तथा उन्हें दिल्ली हाई कमान को भेजा जा रहा है एक-दो दिन के अंदर ही नाम तय हो जाएंगे। महेंद्र भट्ट का कहना है कि भाजपा दोनों ही सीटों पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करेगी।

उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि कांग्रेस चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है हम पूरे जोश और उत्साह के साथ चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने कहा कि नामों के पैनल बन चुके हैं जल्द प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे। वह खुद चुनाव की व्यवस्था देख रहे हैं तथा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी भी पूरी तरह से सक्रिय है।

❑दो-तीन दिन में हो जाएगी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा

इन दोनों ही सीटों पर भाजपा व कांग्रेस के एक-एक प्रत्याशी का नाम लगभग तय है। माना जा रहा है कि भाजपा बद्रीनाथ सीट से राजेंद्र सिंह भंडारी को अपना प्रत्याशी बनाने जा रही है वहीं मंगलोर सीट पर कांग्रेस भी काजी निजामुद्दीन को मैदान में उतारेगी सिर्फ एक-एक सीट पर भाजपा व कांग्रेस को अपना प्रत्याशी तय करना है।

मंगलौर और बद्रीनाथ की जिन दो सीटों के लिए उपचुनाव होने वाला है उनके लिए 10 जुलाई को वोट डाले जाने हैं।

भले ही कांग्रेस का उपचुनाव लड़ने और जीतने का इतिहास बेहतर न रहा हो लेकिन लोकसभा चुनाव में तीसरी बार भी लगातार सभी पांच सीटों पर हार के बावजूद भी राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन ने कांग्रेस में नया उत्साह और जोश भर दिया है। करन माहरा का कहना है कि वह पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

जम्मू कश्मीर में 3 दिन में 3 आतंकी हमले, 2 आतंकी ढेर

जम्मू । रियासी में 9 जून को श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमले के बाद एक बार फिर से कठुआ में आतंकी हमला हुआ। डोडा जिले में सेना के अस्थायी ऑपरेटिंग बेस पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की। वही कठुआ जिले में चली मुठभेड़ में दूसरा आतंकी भी मार गिराया गया है। समाचार लिखे जाने तक तीसरे आतंकी से अभी भी मुठभेड़ जारी है। आतंकी जहां छिपे हैं वहां घना जंगल है। ऐसे में भारतीय सैन्य बल इन्हें मार गिराने के लिए ड्रोन की भी मदद ले रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि डोडा जिले में भद्रवाह-पठानकोट मार्ग पर स्थित चतरगला के ऊपरी इलाके में आतंकवादियों ने एक संयुक्त जांच चौकी पर हमला किया। इसमें राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) घायल हो गए। दूसरी ओर कठुआ जिले के सैदा सुखल गांव में मंगलवार देर रात लगभग तीन बजे गांव में छिपे एक आतंकवादी की ओर से की गई गोलीबारी में सीआरपीएफ के जवान कबीर दास गंभीर रूप से घायल हो गए, इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

एन चंद्रबाबू नायडू चौथी बार बनें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

अमरावती। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो इस पद पर उनका चौथा कार्यकाल है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और बंदी संजय कुमार और कई अन्य नेता शामिल हुए। चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गले मिलकर उन्हें बधाई दी। नायडू के साथ जनसेना प्रमुख पवन कल्याण, टीडीपी सुप्रीमो के बेटे नारा लोकेश और विजयवाड़ा के बाहरी इलाके केसरापल्ली में गन्नावरम हवाई अड्डे के पास शपथ ली।

जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार में डिप्टी सीएम होंगे। मंत्रियों की लिस्ट में जन सेना पार्टी के तीन और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक मंत्री शामिल हैं। बाकी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के हैं। राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने चंद्रबाबू नायडू को सीएम पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर साउथ के सुपर स्टार चिरंजीवी और रजनीकांत भी मौजूद रहे।

नायडू की मंत्रिपरिषद में 17 नए चेहरे हैं। बाकी पहले भी मंत्री रह चुके हैं। टीडीपी प्रमुख ने एक पद खाली रखा है। मंत्रिपरिषद में तीन महिलाएं हैं। वरिष्ठ नेता एन मोहम्मद फारूक मंत्रिपरिषद में अकेले मुस्लिम चेहरा हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

सभी लड़ रहे हैं अस्तित्व की लड़ाई

लोकसभा चुनाव निपट चुका है। भाजपा और एनडीए ऐन केन प्रकारेण लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा बनाए रखने में भी सफल हो चुकी है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह अपनी सरकार के मंत्रियों के मंत्रालयों का बंटवारा भी कर चुके हैं। भले ही चुनावी नतीजे भाजपा के अनुकूल न आए हो लेकिन बदला कुछ नहीं। 2014 और 2019 की तरह मोदी और शाह उन्हीं पुराने तेवर और कलेवर के साथ काम करते दिखाई दे रहे हैं। इस चुनाव में संघ को जिस तरह राजनीति में घसीटा गया उसे लेकर सर संघ प्रमुख मोहन भागवत खासे आहत है। भाजपा और संघ के रिश्ते उस हद तक खराब हो चुके हैं कि जेपी नड्डा जिन्होंने यह कहा था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। भाजपा इतनी बड़ी हो चुकी है कि वह अपनी हर लड़ाई खुद लड़ और जीत सकती है। भले ही इस चुनाव में अपने बूते 350 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा 250 भी सीटें न जीत सकी हो लेकिन उसके तीसरी बार सत्ता तक पहुंचने से भाजपा नेता या यूं कहें कि नरेंद्र मोदी व शाह अब संघ की बात न सुनने को तैयार है न मानने को। देश की जनता जो अपने इस जनादेश से यह साफ संदेश दे चुकी है कि उसे मोदी और शाह पीएम तथा होम मिनिस्टर के रूप में स्वीकार नहीं है वहीं संघ भी उन्हें इन पदों पर देखकर हैरान परेशान है। मोहन भागवत द्वारा मणिपुर हिंसा को लेकर सरकार को दी गई नसीहत के बाद यह साफ हो गया है कि संघ और भाजपा अब वैचारिक रूप से दो अलग-अलग दिशाओं में चल पड़े हैं। एक दूसरे के अस्तित्व को नकारते हुए दोनों ही अपने अस्तित्व को बचाए रखने की स्थिति में आकर खड़े हो चुके हैं। वहीं भाजपा जो अब अपने सहयोगियों को भी अपनी रणनीति से पछाड़ने के प्रयास कर रही है चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार और शिवसेना शिंदे को कितने दिन साथ रख पाएगी वर्तमान दौर का सबसे बड़ा सवाल हो गया है। मंत्रालय के बंटवारे में इन किंग मेकर कहे जाने वाले नेताओं को पीएम मोदी और शाह ने जिस तरह झुनझुना उनके हाथ में थमा दिया है उससे अब यह किंग मेकर भी संघ प्रमुख भागवत की तरह ही हैरान परेशान है। भाजपा नेताओं की जिस तानाशाही के खिलाफ यह चुनाव लड़ा गया था उन नेताओं का फिर सत्ता में पहुंचना और उनके वही रंग और तेवर भाजपा को कितने फायदेमंद और नुकसान देय होंगे तथा वह सत्ता में कितने समय तक बने रहेंगे इसे लेकर अभी से चिंतन मंथन और चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व न तो अपने चुनावी परिणाम की समीक्षा करने को तैयार है न ही आने वाले समय में भाजपा के भविष्य पर सोचने के लिए तैयार है उसके लिए सिर्फ सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखना ही उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है उनकी रणनीति में किसी के भी दबाव में काम न करने और साथ छोड़कर जाने का दबाव महसूस न करना ही है। उनकी सोच है कि उसके पास पर्याप्त संख्या बल है और इसे किसी भी सूरत में बनाए रखने का कौशल है। अभी कुछ खबरें यह भी आई थी कि बीजेपी इंडिया के सहयोगियों में सेंध लगा सकती है। निश्चित तौर पर भाजपा के पास वह तमाम हथकंडे है कि वह सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी कर सकती है। किसी के भी साथ होने न होने से उसे कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है यह बात मंत्रियों को मंत्रालयों के बंटवारे के बाद भी साफ हो चुकी है। लोकतंत्र के साथ तानाशाही का यह रवैया देश की राजनीति और भाजपा को किस तरफ ले जाएगा और इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे इन सभी सवालों का जवाब आने वाला समय ही देगा। अभी तो क्या विपक्ष क्या सत्ता पक्ष और क्या आरएसएस सभी अपने-अपने अस्तित्व को बचाए रखने की जंग लड़ते नजर आ रहे हैं।

गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड के नेतृत्व में गंगोत्री में गंगाजी के तट पर चलाया वृहद स्वच्छता अभियान

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

गंगोत्री धाम। गंगा विचार मंच उत्तराखंड के नेतृत्व में आज सुबह 12 जून को माँ गंगा के उदगम गंगोत्री में मां गंगा जी के तट पर वृहद स्वच्छता अभियान के साथ जनजागृति अभियान चलाया गया और 100 बोरे नए पुराने वस्त्र एकत्रित कर नगर पंचायत गंगोत्री के सुपुर्द किए गए।

माँ गंगा के तट गंगोत्री में गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट और गंगा विचार मंच गंगोत्री के जिला संयोजक रावल अशोक सेमवाल के नेतृत्व में आज गंगोत्री मन्दिर समिति, श्री गंगा पुरोहित सभा, पुलिस प्रशासन, एसडीआरएफ, वन विभाग, नगर पंचायत गंगोत्री और तीर्थ पुरोहितों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं और गंगोत्री नगर पंचायत गंगोत्री के कर्मचारियों , वन विभाग गंगोत्री नेशनल पार्क के कर्मचारियों के साथ गंगा शपथ दिलवाई गई।

गंगा शपथ के बाद गंगोत्री में गंगा के किनारे स्वच्छता अभियान के तहत भारी संख्या में मां गंगा जी में बहाए गए श्रृंगार के रूप में विसर्जित किए गए नए वस्त्रों के साथ पुराने बस्त्र, कपड़े, पॉलीथिन, प्लास्टिक बोतलें एकत्रित की गई।

माँ गंगा के धरती पर अवतरित होने के पावन पर्व गंगा दशहरा के उपलक्ष्य में गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं व गंगोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा गँगा के मायके गंगोत्री में स्वच्छता कार्य के साथ गँगा गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

आज के स्वच्छता अभियान में गंगोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों, नगर पंचायत गंगोत्री के कर्मचारियों व गँगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं व गँगा सभा गंगोत्री के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। आज के कार्यक्रम में नगर पंचायत गंगोत्री के अध्यक्ष रावल हरीश सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल, रावल संजीव सेमवाल, रावल पवन सेमवाल सेमवाल, गँगा विचार मंच के गंगोत्री के जिला संयोजक रावल अशोक सेमवाल, राजेश सेमवाल, हरीश सेमवाल, सूर्यप्रकाश सेमवाल,प्रदीप सेमवाल, प्रमोद सेमवाल, राकेश सेमवाल, गंगा विचारवमंच से कमला बिष्ट, रामबीर बिष्ट, शुभ मलासी, अतुल मलासी, आरती मलासी, पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद उनियाल, जगत सिंह इंस्पेक्टर, सिपाही संतोष देवरानी, पुष्पा देवी, एसडीआरएफ के दीपक उनियाल सहित लगभग 200 लोगों ने गंगा स्वच्छता अभियान में आदि उपस्थित रहे।

भैरव सेना ने पर्यटन विभाग का बुद्धि शुद्धि यज्ञ कर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। सिद्ध पीठों को तीर्थाटन के बजाय पर्यटन में परिवर्तित करने के विरोध में भैरव सेना ने पर्यटन विभाग का बुद्धि शुद्धि यज्ञ कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज भैरव सेना संगठन से सम्बंधित दर्जनों कार्यकर्ता कुछ नेताओं तथा अधिकारीयों की मिलीभगत से अपने खासमखास को फायदा पहुंचाकर तीर्थ धाम एवम शक्तिपीठ-सिद्धपीठ को तीर्थाटन के बजाय पर्यटन में परिवर्तित करने को लेकर आक्रोशित होकर गांधी पार्क के मुख्य द्वार पर जोरदार नारेबाजी के साथ गढ़वाल संभाग सचिव गणेश जोशी के नेतृत्व में विरोध स्वरूप धर्मस्व एवम पर्यटन विभाग का बुद्धि-शुद्धि हवन कर अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित तहसीलदार सदर के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन प्रेषित किया जिसकी एक प्रतिलिपि प्रधानमंत्री कार्यालय को भी प्रेषित की गई। भैरव सेना के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा की देवभूमि उत्तराखंड में सैकड़ों मोक्षधाम तथा शक्तिपीठ-सिद्धपीठ विद्यमान है। संपूर्ण विश्व के सनातन अनुसरणकर्ता मोक्ष के उद्देश्य से पवित्र तीर्थों की यात्रा पूर्ण आस्था, पवित्रता तथा सनातनी मान बिन्दुओं के आधार पर करते हैं और तीर्थ क्षेत्र के समस्त हकूकधारी एवम क्षेत्रीय निवासी तीर्थ यात्रियों का यथा सामर्थ्य आदर सत्कार सनातनी पवित्रता के अनुसार करते हैं तथा छः माह की यात्रा पर निर्भरता के साथ अपना जीवन यापन करते हैं। परन्तु

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

18वें मुंबई फिल्म महोत्सव में अंदुरी ने छोड़ी अपनी छापः प्रियदर्शी

देहरादून (सं)। दून फिल्म स्कूल के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ प्रियदर्शी ने कहा कि अंदुरी को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित करने के लिए चुना गया है। जो वैश्विक मंच पर उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक ताने बाने का प्रतिनिधित्व करती है। आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रियदर्शी ने बताया कि दून फिल्म स्कूल से निकले होनहार प्रतिभावन आयुष नौटियाल द्वारा निर्देशित फीचर डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'अंदुरी' उनकी एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अंदुरी को प्रसिद्ध मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 में प्रदर्शित करने के लिए चुना गया है। जो वैश्विक मंच पर उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक ताने बाने का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि हमें सिनेमा की दुनिया में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आयुष नौटियाल और उनकी टीम पर बेहद गर्व है। अंदुरी ना केवल हमारे छात्रों की कलात्मक क्षमता को दर्शाती है बल्कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक समृद्धि को भी उजागर करती है। प्रेसवार्ता में स्कूल के अध्यक्ष जय सिंह, प्रिंसिपल देवी दत्त, डीन मुकेश कुमार भी उपस्थित थे।

पारंपरिक खेल प्रदर्शन का आयोजन 16 को

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम् के षष्ठम् सत्र में पारंपरिक खेलों को उनके मौलिक रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है।

पारंपरिक खेल केवल एक मनोरंजन गतिविधि नहीं है बल्कि संस्कृति को प्रसारित करने का एक उपकरण है। पारंपरिक खेल बच्चों के लिए बहुत लाभदायक है। पारंपरिक खेल रचनात्मकता और कल्पना को प्रोत्साहित करते हैं एवं साथ ही समाजीकरण और सहानुभूति विकसित करते हैं।

आज बच्चे टेलीविजन और मोबाइल फोन गेम, रील्स, व्हाट्सएप मीम्स और यूट्यूब के कारण पारंपरिक खेलों को पूरी तरह से भूल रहे है एवं पारंपरिक खेलों की तुलना में बच्चों की रुचि मोबाइल खेलों के प्रति ज्यादा बढ़ी है

जिससे उनमें एकाकी जीवन की अवधारणा विकसित हो रही है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में 10-14 वर्ष की आयु के 83% बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग करते है जो कि अंतर्राष्ट्रीय औसत 76% से 7% अधिक है एवं भविष्य के लिए चिंताजनक भी है।

हमारे पारम्परिक खेल जैसे पिठु गराम, वर्ता-तोड़, राज एवमं मुर्गा झपट, तीन टांग दौड़ आदि खेलों को आज भी जीवंत रखने हेतु विगत 5 वर्षों से मंगसीर बग्वाल के माध्यम से अनघा फाउंडेशन द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन करने में वरिष्ठ क्रीड़ा प्रशिक्षक शूरवीर मर्तोलिया एवं महेश उनियाल की प्रमुख भूमिका रहती है। खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है जो हमारे मानसिक विकास, बौद्धिक विकास एवम् शारीरिक विकास हेतु अत्यंत आवश्यक हैं।

आगामी 16 जून 2024 को श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम के समस्त सदस्यों और युवाओं के लिए पारंपरिक खेल प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी इसमें प्रतिभाग करें और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दें।

एआइ से रोजगार की संभावनाएं भी कम नहीं

हिमानी रावत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) एक उपयोगी और तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। इसमें मानव बुद्धिमता की आवश्यकता वाले कार्यों के लिए प्रभावी बुद्धिमता वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम का विकास किया जाता है। एआइ सिस्टम बड़े डेटाबेस का सम्मिश्रण और विश्लेषण कर अति उपयोगी सुझाव प्रदान करते हैं, जो व्यावसायिक दक्षता और नवाचार को बढ़ाता है। एआइ का विविध और विशिष्ट अनुप्रयोग होता हैं, जिनमें खेती जैसे पारंपरिक क्षेत्र का अनुकूलन, स्वचालित कारों का परिचालन, आभासी सहायक से लेकर चिकित्सा निदान और वित्तीय विश्लेषण तक शामिल हैं। एआइ के अनुप्रयोग से मनुष्यों पर निर्भरता कम होगी और स्वचालन बढ़ेगा। अधिकांश विशेषज्ञ स्वचालन को रोजगार का विपरीत समानुपाती मानते हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने एआइ के प्रसार से आर्थिक विषमता बढ़ने की आशंका जतायी। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान उन्होंने कहा कि एआइ के कारण जल्द ही विकसित देशों के कई श्रमिकों की नौकरियां समाप्त हो जायेंगी। कंसल्टिंग संस्था पीडब्ल्यूसी के एक हालिया प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, हर चार में से एक सीइओ के अनुसार एआइ से कम-से-कम पांच प्रतिशत रोजगार में कमी आयेगी।

औद्योगिक क्रांति के शुरू से डाटा साइंस, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स जैसे हर उल्लेखनीय तकनीक के प्रचलन तक ऐसी आशंका जतायी जाती रही है। कई विशेषज्ञों ने एआइ से लाखों नयी नौकरियों के सृजन की संभावना भी व्यक्त की है। विश्व आर्थिक मंच के पिछले वर्ष के शोध के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में एआइ शुद्ध रूप से रोजगार सृजनकर्ता बनेगा। उस रिपोर्ट के अनुसार एआइ संभावित रूप से 9।7 करोड़ नयी भूमिकाएं उत्पन्न कर सकता है। विश्व आर्थिक मंच के ही एक सर्वेक्षण में लगभग आधी (49त्न) कंपनियों ने एआइ के प्रसार से रोजगार वृद्धि की संभावना व्यक्त की, जबकि सिर्फ 23त्न ने रोजगार में कमी की आशंका जाहिर की। एआइ से संबंधित भूमिकाओं, जैसे- डाटा वैज्ञानिक, डाटा विशेषज्ञ और बिजनेस इंटेलिजेंस विश्लेषकों की संख्या में 3० से 35 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस उद्योग में तेजी से रोजगार बढ़ोतरी की संभावना है। एआइ के कारण कई नौकरियां अप्रचलित भी हो सकती हैं, कई नौकरियों को फिर से परिभाषित किया जायेगा और कई नये अवसर सामने आयेंगे। ऐसा भी संभव है कि जिस समूह की नौकरी खत्म हो जाए, उसे नयी नौकरी आसानी से न मिले और नये समूह को रोजगार आसानी से मिल जाए। समाज में असमानता की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। कई शोधों के अनुसार, मीडिया, मनोरंजन, बैंकिंग और बीमा जैसे कई परंपरागत क्षेत्र में नौकरियों की कमी की आशंका है। विनिर्माण, ग्राहक सेवा, शिक्षा और वित्त सेवाओं, जैसे- एकलय, दुहराव और पुर्वानुमान वाली नौकरियों में भी कमी आ सकती है।

मुद्रा कोष की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथन के अनुसार, एआइ का प्रभाव अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकता है। हमारे देश में कृषि क्षेत्र में श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा होने के कारण एआइ का रोजगार पर जोखिम लगभग 3०त्न कम है। विकसित देशों में इसके सकारात्मक प्रभाव ज्यादा दिखेगा, क्योंकि वहां बुनियादी व्यवस्था और दक्ष कर्मचारी हैं। भारत उभरते बाजारों के औसत के करीब है, इसलिए एआइ के सकारात्मक प्रभाव का असर कम और देर से दिखेगा। वर्ष 2०19 में एआइ के प्रचलन के बाद से भारतीय रोजगार बाजार में कई परिवर्तन आये हैं। दिसंबर 2०22 में चाटजीपीटी के अनावरण के बाद तो और तेज परिवर्तन हुए हैं। डाटा एंट्री, बीपीओ, केपीओ, कॉल सेंटर जैसे नियमित कार्यों के स्वचालित होने से इनमें रोजगार घटा है, पर डाटा साइंस, इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग के अवसरों में वृद्धि हुई है। कृषि, शिक्षा आदि पारंपरिक क्षेत्रों में भी एआइ विशेषज्ञों की मांग शुरू हो चुकी है।

व्हीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट के शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2०23 के अगस्त तक देश में एआइ पेशेवरों की कुल मांग के दो तिहाई से भी कम कुशल पेशेवर उपलब्ध थे। इस बाजार की मांग और आपूर्ति के बीच तालमेल बिठाने के लिए कौशल विकास, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग महत्वपूर्ण होंगे। भारत में रोजगार की सुगमता के कारण अधिक लोग अनौपचारिक क्षेत्र चुन रहे हैं, पर ऑटोमोटिव, विनिर्माण और विभिन्न व्यापार क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कौशल विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता है। साथ ही, भावनात्मक कौशल, टीम वर्क, नेतृत्व कौशल व मूल्यांकन कौशल विकसित करना भी जरूरी है। व्यापक भलाई के लिए एआइ का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश और नियमन आवश्यक हैं। हाल में जीपीएआइ शिखर सम्मलेन नयी दिल्ली में हुआ था। एआइ नियमन और प्रचालन की सबसे प्रमुख वैश्विक संस्था में मुख्य नेतृत्वकर्ता की भूमिका मिलना प्रौद्योगिकी, एआइ और वैश्विक समायोजन में भारत की बढ़ती कुशलता का परिचायक है। रोजगार बाजार पर एआइ का प्रभाव नकारात्मक भी है और सकारात्मक भी। नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को नयी तकनीकों को अपनाने के साथ तेज कौशल विकास पर भी काम करना होगा। इस संबंध में सरकार और व्यवसाय जगत को साथ आना चाहिए, ताकि आवश्यक कौशल उपलब्ध हो सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे

योगेश कुमार गोयल

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति धरती के अभिन्न अंग हैं, लेकिन मनुष्य ने अपने स्वाथरे तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को उजाड़ा, बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है।

धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम कहा जाता है, लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है।

वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं, या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनिया भर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षो से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलाप तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनिया भर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी, दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है।

दरअसल, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख-भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं, लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है।

हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौंदर्य है, इसलिए भी लुप्तप्राय-पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक आश्रय स्थल के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी है। जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव-विविधता के मुद्दे पर लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।

2० दिसम्बर, 2००० को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरुआत की गई थी। दरअसल, 22 मई, 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव-विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। इस वर्ष यह दिवस 'योजना का हिस्सा बनें' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि हम व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से अपने ग्रह की जैव- विविधता को संरक्षित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि इस ओर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो।

दरअसल, बढ़ती आबादी तथा बढ़ते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों तक को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन असंभव है। अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिडिय़ा, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसान हितैषी पक्षी-पखेरू तेजी से लुप्त होने के कगार हैं, तो समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं। जैव-विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवन यापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्राय-पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

छोटे बच्चे को सुलाते समय न करें ये गलतियां...!

नए माता-पिता के लिए पेरेंटिंग एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है क्योंकि छोटे बच्चे को कैसे सुलाना चाहिए, कैसे उठाना चाहिए या कैसे नहलाना चाहिए आदि बातें उनके लिए किसी पहेली से कम नहीं होती हैं। इस वजह से उनसे अनजाने में कुछ गलतियां हो जाती हैं जो बच्चे के स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं होती। आइए आज आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं जिनसे हर माता-पिता को अपने छोटे बच्चे को सुलाते समय बचना चाहिए।

बच्चे के सोने की एक जगह तय न करना : जब छोटे बच्चे को नींद आती है तो माता-पिता उसे कहीं भी सुला देते हैं। उदाहरण के लिए, अगर माता-पिता लिविंग रूम में हैं तो वे अपने बच्चे को सोफे पर ही सुला देते हैं। इसी तरह वे उसके सोने की जगह को बार-बार बदलते रहते हैं, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। इसके कारण बच्चा आराम महसूस नहीं कर पाता और उसकी नींद पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए माता-पिता को उसे सुलाने की एक जगह तय कर देनी चाहिए।

शोर और लाइट वाली जगह पर बच्चे को सुला देना : अगर माता-पिता नहीं चाहते कि उनके छोटे बच्चे की नींद में किसी तरह का कोई खलल पड़े तो बच्चे को ऐसी जगह पर सुलाएं, जहां शोर बिल्कुल भी न हो और लाइट कम हो। दरअसल, अगर बच्चा सो रहा हो और वह लाइट और शोर की वजह से कच्ची नींद में उठ जाए तो फिर उसे दोबारा नींद नहीं आती है। ऐसे में नींद न पूरी होने के कारण बच्चा चिड़चिड़ा हो जाता है।

सुलाने के लिए किसी चीज का सहारा लेना : अक्सर माता-पिता अपने छोटे बच्चे को सुलाने के लिए किसी चीज का सहारा ले लेते हैं जो कि गलत है। दरअसल, अगर आप अपने छोटे बच्चे को सुलाने के लिए झूले या फिर लोरी का सहारा लेते हैं तो वह इनका आदी हो सकता है और आगे चलकर अगर वह आधी रात को उठ जाए तो वह इन चीजों के बगैर नहीं सो पाएगा। इसलिए छोटे बच्चों को सुलाने के लिए माता-पिता कभी-कभी ही इन चीजों का प्रयोग करें। सोते हुए छोटे बच्चे को छेड़ना : यह सबसे बड़ी गलती है जिससे हर माता-पिता को हर हाल में बचना चाहिए। दरअसल, जब बच्चा सो जाता है तो ऐसा लगता कि घर की रौनक कहीं चली गई है। ऐसे में कई बार माता-पिता अपने सोते हुए बच्चे को प्यार से छेड़ने लगते हैं जो गलत बात होती है। ऐसा करने से बच्चा आधी नींद में उठ जाता है और चिड़चिड़ा होकर रोने लगता है, इसलिए ऐसा न करें।

लैंगिक हिंसा की शिकार हर तीन में एक महिला

अमि?त गर्ग

लिंग आधारित हिंसा किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसके लिंग के कारण निर्देशित हिंसा है। वैसे तो महिला और पुरुष दोनों लिंग आधारित हिंसा का अनुभव करते हैं, लेकिन पीड़ितों में अधिकांश महिलाएं और लड़कियां होती हैं। लिंग आधारित हिंसा एक ऐसी घटना है, जो लैंगिक असमानता से गहराई से जुड़ी हुई है और सभी समाजों में सबसे प्रमुख मानवाधिकारों के उल्लंघनों में से एक है। यह मां के गर्भ से मृत्यु तक महिलाओं के पूरे जीवन चक्र में प्रकट होता है। लिंग आधारित हिंसा की कोई सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं होती तथा यह सभी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करती है।

प्रत्येक लड़की और लड़के को जीवित रहने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। बचपन विशेषज्ञ प्रत्येक बच्चे के लिए समान अधिकारों की वकालत कर रहे हैं। फिर भी बचपन से शुरू होने वाला लैंगिक भेदभाव बच्चों से भी उनका बचपन छीन रहा है और उनकी संभावनाओं को सीमित कर रहा है, जिसका दुनिया की लड़कियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक लड़की को उसके अधिकारों से वंचित किए जाने, स्कूल से रोके जाने, शादी के लिए मजबूर करने और हिंसा का शिकार होने की बहुत अधिक संभावना है। अगर उसकी बात सुनी भी जाती है तो उसे कम महत्व दिया जाता है। बचपन पर यह हमला राष्ट्रों को प्रगति के लिए आवश्यक ऊर्जा और प्रतिभा से भी वंचित करता है।

एक अनुमान के अनुसार परिवर्तन की वर्तमान दर पर लैंगिक समानता हासिल करने में अभी 200 साल से अधिक का समय लगेगा। लैंगिक समानता अभी सिर्फ अमेरिका में अस्वीकार्य है। हम सभी साथ मिलकर शुरू से ही एक अधिक समान दुनिया बना सकते हैं। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, परंपरागत रूप से समाज में महिलाओं को कमजोर वर्ग के रूप में देखा जाता रहा है। वे घर और समाज दोनों जगहों पर शोषण, अपमान और भेदभाव से पीड़ित होती हैं। महिलाओं के खिलाफ भेदभाव दुनिया में हर जगह प्रचलित है। वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2023 में भारत 146 देशों में 127वें स्थान पर है। एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर तीन में से एक महिला को अपने जीवनकाल में एक बार अपने साथी के हाथों हिंसा का सामना करना पड़ता है। मतलब अनगिनत महिलाएं कई बार इस पीड़ा से गुजरती हैं।

लैंगिक हिंसा एक वैश्विक महामारी है, जहां लगभग 27 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में कभी न कभी शारीरिक या यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं। खासकर दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी के हाथों आजीवन घरेलू हिंसा सहन करने के मामले वैश्विक औसत की तुलना में 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके लिए पितृ सत्तात्मक सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था और रूढ़िगत परंपराएं जिम्मेदार हैं, जो लैंगिक भूमिकाओं को परिभाषित करती हैं। महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध की गई हिंसा का प्रभाव भावनात्मक स्तर पर काफी गहरा होता है और इसके कारण उन्हें अपनी सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक जरूरतों में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। दुखद पहलू यह भी है कि एक इंसान अपनी पूरी क्षमता का दोहन नहीं कर पाता। हिंसा पीड़ित लड़कियां और महिलाएं अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ जाती हैं और समाज में उनकी भागीदारी पर भी प्रभाव पड़ता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक है। इसके चलते वैश्विक स्तर पर 15 खरब अमेरिकी डॉलर (वैश्विक जीडीपी का 2 प्रतिशत) का नुकसान उठाना पड़ता है। लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न कारणों में सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कारण हैं। मसलन, भेदभावपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कानून, मानदंड तथा व्यवहार, जो महिलाओं और लड़कियों को हाशिये पर रखते हैं और उनके अधिकारों को मान्यता प्रदान करने में विफल होते हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा को सही ठहराने के लिए अक्सर लिंग संबंधी रूढ़ियों का इस्तेमाल किया जाता है। सांस्कृतिक मानदंड अक्सर यह तय करते हैं कि पुरुष आक्रामक, नियंत्रित करने वाले और प्रभावी होते हैं, जबकि महिलाएं विनम्र, अधीन और प्रदाताओं के रूप में पुरुषों पर निर्भर करती हैं। ये मानदंड एक प्रकार के दुरुपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। वहीं पारिवारिक, सामाजिक और सांप्रदायिक संरचनाओं का पतन और परिवार के भीतर महिलाओं की बाधित भूमिका अक्सर महिलाओं तथा लड़कियों को जोखिम में डालती है। इसके निवारण के लिए मुकाबला करने वाले रास्तों-तंत्रों के जोखिम एवं सीमा को उजागर करती है। लैंगिक समानता की राह में कई न्यायिक बाधाएं भी हैं। न्याय संस्थानों और तंत्रों तक पहुंच का अभाव हिंसा और दुर्व्यवहार के लिए दंड के भय की समाप्ति की संस्कृति उत्पन्न करती है। वहीं पर्याप्त और वहनीय कानूनी सलाह और प्रतिनिधित्व का अभाव भी है। इसके अलावा पीड़ित-उत्तरजीवी और गवाह सुरक्षा तंत्र का भी पर्याप्त अभाव है। अपर्याप्त न्यायिक ढांचा, जिसमें राष्ट्रीय, पारंपरिक, प्रथागत और धार्मिक कानून शामिल हैं, जो महिलाओं-लड़कियों के साथ भेदभाव करते हैं। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में दूध को खट्टा होने से रोकने के लिए अपनाएं ये टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही सभी लोग ठंडे दूध से स्वादिष्ट लस्सी, आम जैसे फलों का शेक और कोल्ड कॉफी आदि बनाकर पीते हैं।हालांकि, बढ़ते तापमान के कारण आपके घर में रखा हुआ दूध हर दूसरे दिन खट्टा हो जाता है। यह समस्या तब भी हो सकती है, जब आप दूध को फ्रिज में रखते हों।इस परेशानी को रोकने के लिए आप ये आसान रसोई के नुस्खे अपना सकते हैं।

खरीदारी करते वक्त अंत में दूध लें

शॉपिंग-मॉल, किराने की दूकान या किसी भी जगह से खरीदारी करते समय इस बात का ध्यान रखें की आप अंत में ही दूध का पैकेट खरीदें।ऐसा करने से दूध कम समय तक फ्रिज से बाहर रहेगा, जिससे इसके खराब होने का खतरा कम हो जाएगा। गर्म हवा के संपर्क में आने से इसमें हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।एक बार जब आप दूध खरीद लें, तो घर जा कर तुरंत उसे रेफ्रिजरेटर में रख दें।

दूध को तुरंत उबालें

अगर पैकेट वाले दूध को फ्रिज में ठीक तरह से रखा जाए, तो उसके खराब होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, इसे खट्टे होने से रोकने के लिए जरूरी है कि आप दूध को तुरंत उबाल लें।दूध तब खराब होता है, जब उस पर हानिकारक बैटीरिया जमने लगते हैं। ऐसे में दूध उबालने से सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं और दूध खट्टा नहीं होता।जब दूध उबल जाए तो उसे हल्का ठंडा करके ही फ्रिज में रखें।

फ्रिज में करें स्टोर

अगली किचन टिप है कि आपको दूध को सही तरह से फ्रिज में स्टोर करना है। दूध के पैकेट या बोतलें रेफ्रिजरेटर के दरवाजे में न रखें, क्योंकि दरवाजा खुलने पर वे बाहर के तापमान के संपर्क में आएंगे।इन्हें अपने फ्रिज के चिलर-ट्रे सेक्शन में रखें। फ्रिज का दवराजा खुलने पर भी यह कम्पार्टमेंट बंद रहता है, जिससे दूध खट्टा नहीं होगा।अगर आपने दूध को भगोने में रखा है, तो इसे फ्रिज के पीछे वाले हिस्से में रखें।

दूध को देर तक फ्रिज के बाहर न रखें

सभी लोग इस टिप पर जोर देते हैं कि हमें लंबे समय तक दूध को फ्रिज से बाहर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से दूध जल्दी खरब हो जाता है और उसका स्वाद खट्टा हो जाता है।जब आपको दूध इस्तेमाल करना हो, तब ही उसे फ्रिज से निकालें और तुरंत वापस रख दें।अगर दूध देर तक बाहर के गर्म तापमान के संपर्क में आता है तो यह पीला पडने लगता है और वह जल्दी फट भी सकता है। कनाडा के डेयरी फार्मर्स की वेबसाइट के अनुसार, दूध फ्रीजर में 6 सप्ताह तक सही रहता है। इस दौरान इसके स्वाद और पोषण मूल्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।अगर आपने ज्यादा मात्रा में दूध खरीदा है, जिसका जल्द उपभोग होने की संभावना नहीं है तो उसे फ्रीजर में रख दें। इन दूध के कंटेनरों को खोले बिना ही फ्रीजर में रखें।जानिए दूध के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ। (आरएनएस)

सुधीर बाबू स्टारर हरोम हारा की सामने आई रिलीज डेट सामने

सुधीर बाबू की आगामी फिल्म हरोम हारा, जो दिलचस्प प्रचार सामग्री के साथ आशाजनक लग रही है, अपनी रिलीज के लिए तैयार है।

गाने, टीजर और अन्य प्रोमो प्रभावशाली लग रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए मुरुगन गाने ने चर्चा बढ़ा दी है, जिसमें फिल्म में सुनील के साथ सुधीर की दोस्ती को दर्शाया गया है। इसी बीच मेकर्स नई रिलीज डेट लेकर आए।

फिल्म को पहले 31 मई को रिलीज करने की योजना थी, जिसे अब 14 जून को रिलीज करने की योजना बनाई गई है। निर्माताओं ने एक छोटे से बाइट के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस खबर की घोषणा की जिसमें सुधीर बाबू को हाथ में बंदूक लिए हुए दिखाया गया है, और शीर्षक गीत पृष्ठभूमि में बज रहा है। 14 जून को कोई प्रसिद्ध फिल्म नहीं आने के कारण, हारोम हारा की एकल रिलीज़ होगी।

सेहरी फेम ज्ञानसागर द्वारका एक गहन एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। मालविका शर्मा की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 1989 में चित्तूर जिले के कुप्पम की पृष्ठभूमि पर आधारित एक पीरियड फिल्म है।

चैतन भारद्वाज संगीत प्रदान करते हैं, जबकि छायांकन अरविंद विश्वनाथन द्वारा किया जाता है। संपादन रवितेजा गिरिजाला ने किया है। एसएससी (श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज) के बैनर तले सुमंत जी नायडू द्वारा निर्मित।

शब्द सामर्थ्य -108

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

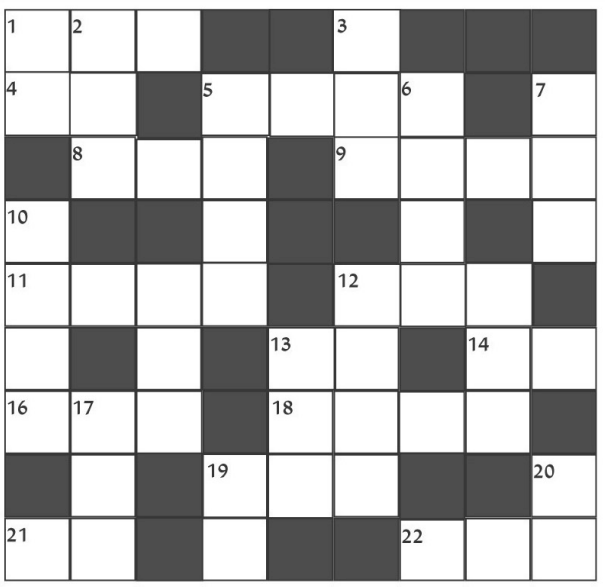

शब्द सामर्थ्य क्रमांक107 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

पुष्पा 2: द रुल से जारी हुआ नया पोस्टर, कंधे पर गन रखे नजर आए अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2: द रूल' को लेकर एक्साइटमेंट तेजी से बढ़ता जा रहा है और फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए अल्लू अर्जुन के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के जबरदस्त टीजर, फर्स्ट सॉन्ग 'पुष्पा पुष्पा' और सेकंड सॉन्ग 'द कपल सॉन्ग' ने सभी दर्शकों को थ्रिल कर दिया है. फिल्म को लेकर इस एक्साइटमेंट के बीच, मेकर्स ने रिलीज को लेकर उल्टी गिनती शुरू कर दी है. इस तरह से पुष्पराज के रूल की शुरुआत के साथ ही 'पुष्पा 2: द रूल' को बड़े पर्दे पर आने में अब बस 75 दिन बाकी हैं.

पुष्पा 2: द रूल के मेकर्स ने हाल ही में फैंस की एक्साइटेमेंट को बढ़ाने वाला एक और काम किया है. क्योंकि अब मेकर्स ने फिल्म का सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, 75 दिन बाकी हैं पुष्पा राज के रूल के लिए. उनका रूल भारतीय सिनेमा में एक नया अध्याय लिखेगा. नए पोस्टर में पुष्पराज अपने कांधे पर राइफल लेकर लुंगी पहने देखे जा सकते हैं.

आपको बता दें कि इससे पहले फिल्म का सेकंड ट्रैक सूसेकी (तेलुगु), अंगारों (हिंदी), सूडाना (तमिल), नोडोका (कन्नड़), कंडालो (मलयालम), और आगुनेर (बंगाली) जैसे 6 अलग-अलग भाषाओं में रिलीज हआ था. यह गाना एक फन, पावर पैक्ड, पेपी नंबर है जो जरूर दशकों में धमाल मचाएगा. गाने को खूबसूरत तरीके से बनाया गया है और इसे मेलोडी क्वीन श्रेया घोषाल ने सभी 6 भाषाओं में गाया है. इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की एक सबसे बेहतरीन सिंगर श्रेया घोषाल ने एक से ज्यादा भाषाओं में गाने को गाकर अपने टेलेंट से सभी का दिल एक बार फिर जीत लिया है.

वहीं, गाने की एंगेज करने वाली ट्यून अपबीट है, और मास्टर ऑफ मैजिक कहे जाने वाले कंपोजर देवी श्री प्रसाद ने फिर से इस नए वर्जन के साथ हंगामा मचाने की तैयारी कर ली है.'पुष्पा 2: द रूल' 15 अगस्त, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. सुकुमार द्वारा डायरेक्टेड और मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना के अलावा फहद फासिल भी लीड रोल में हैं.(आरएनएस)

प्रतीक गांधी की डेढ़ बीघा जमीन का पहला गाना मुसाफिर जारी

अभिनेता प्रतीक गांधी को इन दिनों फिल्म डेढ़ बीघा जमीन में देखा जा रहा है, जिसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हो रही हैयह फिल्म 31 मई को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों के साथ समीक्षकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।अब निर्माताओं ने डेढ़ बीघा जमीन का पहला गाना मुसाफिर गाना जारी कर दिया है, जिसे जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज दी हैइस गाने के बोल अर्को ने लिखे हैं।

डेढ़ बीघा जमीन में प्रतीक की जोड़ी भूषण कुमार की बहन और अभिनेत्री खुशाली कुमार के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा हैइस फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इसके निर्माता हैंगौरतलब है कि प्रतीक को आखिरी बार विद्या बालन के साथ फिल्म दो और दो प्यार में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

फिर गुदगुदाने आ रहा है मिश्रा परिवार

द वायरल फीवर की वेब सीरीज गुल्लक लोगों को खूब पसंद है। इसके अभी तक तीन सीजन आ चुके हैं और जो लोग चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, निर्माताओं ने गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है।

सोनी लिव ने गुल्लक के नए सीजन के ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसे लॉन्च करते हुए उन्होंने लिखा, लेकर जिंदगी की खनक, आ रही है नए किस्सों की गुल्लक!

इसके साथ-साथ फैंस को यह भी बताया गया कि सीरीज की स्ट्रीमिंग 7 जून से सोनी लिव पर होगी।

गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लोगों को पसंद आ रहा है। दर्शकों इसे देखने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पिछले तीनों सीजन की ही तरह इस बार भी कुछ मनोरंजक देखने को मिलेगा। यह एक पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जिसने अभी तक दर्शकों को गुदगुदाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यही वजह है कि सीरीज में मिश्रा परिवार के घर के नए किस्सों को देखने के लिए लोगों का उत्साह सातवें आसमान पर है।

गुल्लक का निर्देशन श्रेयांश पांडे ने किया है। इसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर ने अभिनय किया है। मालूम हो कि द वायरल फीवर की एक और चर्चित वेब सीरीज पंचायत का भी तीसरा सीजन जल्द आने वाला है। इसका ट्रेलर भी लॉन्च हो चुका है।(आरएनएस)

नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई लापता लेडीज

इन दिनों लोग सिनेमाघरों से कहीं ज्यादा घर पर आराम फरमाते हुए फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि ओटीटी की मांग बढ़ती जा रही है। फिल्मों के अलावा लोग वेब सीरीज का भी पूरा लुत्फ उठा रहे हैंनेटफ्लिक्स पर हिंदी, तमिल, कोरियाई और अंग्रेजी जैसी तमाम भाषाओं का अलग-अलग कंटेंट देखने को मिलता हैइस साल नेटफ्लिक्स पर लापता लेडीज ने बाजी मार ली है। इसे 2024 में जनता का सबसे ज्यादा प्यार मिला है।

शुरुआत किरण राव की फिल्म लापता लेडीज से करते हैं, जिसका निर्माण आमिर खान ने किया। सिनेमाघरों में भले ही इसे दर्शक नसीब नहीं हुए, लेकिन ओटीटी पर आते ही फिल्म ने धमाका कर दियायह इस साल की अब तक नेटफ्लिक्स पर आईं सभी फिल्मों में पहले पायदान पर है, जिसे खबर लिखे जाने तक 1 करोड़ 70 लाख लोग देख चुके हैंइस फिल्म ने साबित कर दिया है कि असल में कंटेंट ही किंग है।

दूसरे स्थान पर जिसे ओटीटी पर सबसे ज्यादा प्यार मिला है, वो है अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान। इस फिल्म को अब तक 1 करोड़ 48 लाख व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ज्योतिका ने अजय की पत्नी का किरदार निभाया है।उधर करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की तिकड़ी वाली फिल्म क्रू तीसरे पायदान पर है, जिसे 1 करोड़ 43 लाख लोागें ने देखा है।

ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म फाइटर को लेकर खूब हो-हल्ला मचा हुआ था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसने ऐसा कोई कमाल नहीं किया, लेकिन ओटीटी पर फिल्म को जनता भरपूर प्यार मिला। यही वजह है कि 1 करोड़ 40 लाख व्यूज के साथ नेटफ्लिक्स पर सब ज्यादा देखनी जाने वाली फिल्मों में फाइटर चौथे स्थान पर विराजमान हैउधर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को 1 करोड़ 36 लाख लोग देख चुके हैं।

शाहरुख खान की डंकी ने भी इस साल दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया है। सिनेमाघरों में फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला, लेकिन यह शाहरुख की पठान और जवान जैसी फिल्मों की तरह कमाई नहीं कर पाई। हालांकि, नेटफ्लिक्स पर डंकी को खूब प्यार मिला। इसे अब तक 1 करोड़ 8 लाख लोगों देख चुके हैं।उधर भूमि पेडनेकर अभिनीत और शाहरुख के होम प्रोडक्शन में बनी फिल्म भक्षक 1 करोड़ 4 लाख व्यूज के साथ 7वें स्थान पर है।

सारा अली खान की मर्डर मुबारक 8वें पायदान पर है। इसे 63 लाख लोगों ने नेटफ्लिक्स पर देखा, वहीं 58 लाख व्यूज के साथ यामी गौतम की आर्टिकल 370 9वें स्थान पर तो 10वें स्थान पर चमकीला है, जिसे 53 लाख लोग देख चुके हैं।(आरएनएस)

मिस्टर एंड मिसेज माही की लोगों ने की जमकर तारीफ

शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म की जहां कुछ लोगों ने जमकर तारीफ की है, वहीं कुछ को यह कतई रास नहीं आई है।हालांकि, फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा था। यही वजह है कि इसकी एडवांस बुकिंग भी शानदार थी।

फिल्म में आप देख पाएंगे कि राजकुमार राव इस फिल्म में महेंद्र के किरदार में नजर आ रहे हैं। जिन्होंने बचपन से ही क्रिकेटर बनने के सपना देखा होता है, लेकिन पिता नहीं चाहते कि वह क्रिकेट खेलें।

इस वजह से उन्हें अपने सपने को छोडऩा पड़ा, लेकिन ये सपना वह अपना पत्नी जाह्नवी कपूर (महिमा) से पूरा करवाते हैं।वैसे तो उनकी पत्नी पेशे से डॉक्टर होती हैं, लेकिन वह पति के कहने पर क्रिकेट खेलती हैं।

इस फिल्म ने मई में रिलीज हुईं फिल्मों के मुकाबले पहले दिन सबसे अच्छा कारोबार किया, वहीं जाह्नवी और राजकुमार दोनों के करियर की यह सबसे बड़ी ओपनर बनकर उभरी है। उनकी इससे पहले किसी भी फिल्म ने पहले दिन इतनी कमाई नहीं की थी।दोनों ने इससे पहले फिल्म रूही में साथ काम किया था।जाह्नवी, राजकुमार, कुमुद मिश्रा, राजेश शर्मा और जरीना वहाब जैसे कलाकारों से सजी फिल्म में स्पोर्ट्स के साथ-साथ रोमांस का भी तडक़ा लगा है।(आरएनएस)

हारमोनियम लिए इलैयाराजा बने दिखे धनुष, साझा किया फिल्म का दमदार पोस्टर

साउथ सुपरस्टार धनुष आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया है। हाल में ही वह फिल्म कैप्टन मिलर में नजर आए थे। अब वह जल्द ही मशहूर संगीतकार इलैयाराजा के बायोपिक में नजर आने वाले हैं। उनकी यह फिल्म तमिल इंडस्ट्री की बहुप्रतीक्षित फिल्म है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसके लिए लगातार हाइप बनी हुई है। अब इलैयाराजा के 81वें जन्मदिन पर अभिनेता ने फैंस को अपने किरदार की एक झलक दिखाई है।

महान संगीतकार इलैयाराजा के 81वां जन्मदिन को खास बनाते हुए अभिनेता ने फिल्म का एक नया पोस्टर साझा किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा,सिर्फ और एकमात्र इलैयाराजा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। पोस्टर में धनुष अपने हारमोनियम के साथ भीड़ के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं, उनके पीछे उनका बैंड नजर आ रहा है।

फैंस इस पोस्टर को देखने के बाद फिल्म के लिए काफी उत्साहित हो गए हैं। उन्होंने पोस्टर को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। एक फैन ने लिखा,धनुष आप सबसे बेहतरीन अभिनेता हो, इस फिल्म का अब और इंतजार नहीं कर सकता। एक और फैन ने लिखा,जन्मदिन की शुभकामनाएं सर। भगवान आपको इस उम्र में और ऊर्जा दे। एक और अन्य फैन ने फिल्म को लेकर उत्साह जताते हुए लिखा,लव यू थलाइवा, इलैयाराजा की बायोपिक का इंतज़ार नहीं कर सकता।

बताते चलें कि फिल्म में धनुष इलैयाराजा की जिंदगी को पर्दे पर निभाते नजर आएंगे। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म से जुड़े अन्य अभिनेताओं की घोषणा नहीं की है। कैप्टन मिलर के बाद अरुण माथेस्वरन और धनुष दूसरी बार फिर साथ काम करने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बायोपिक इलैयाराजा की उपलब्धियों और प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार के रूप में मिले सम्मान पर आधारित होगी। निर्माता फिल्म को तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में एक साथ रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

विकास के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी

रंजना मिश्रा

भारतीय महिलाओं में ईमानदारी और उत्साह के साथ कार्य करने की क्षमता, दूरदर्शिता, जीवंतता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता जैसे गुण प्राकृतिक रूप से उनके स्वभाव में निहित रहते हैं।

प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वे सदा से समाज की प्रेरणा स्रोत रही हैं, किंतु विदेशियों के आक्रमण के बाद हमारे देश और समाज में अनेक कुरीतियां व्याप्त होती रहीं, इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय होती चली गई। उनकी शिक्षा पर ध्यान कम दिया जाने लगा और उन्हें घरेलू कामकाजों के लिए ही उपयुक्त बताया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात महिलाएं धीर- धीरे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़तीं रहीं और वर्तमान तक आते-जाते उन्होंने समाज में अपनी एक महत्वपूर्ण जगह बना ली है। उनके सशक्तिकरण में दशकों लग गए, लेकिन अब महिलाएं समाज में अपना मुकाम बनाने में सफल हो रही हैं।

भारतीय महिलाओं में ईमानदारी और उत्साह के साथ कार्य करने की क्षमता, दूरदर्शिता, जीवंतता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता जैसे गुण प्राकृतिक रूप से उनके स्वभाव में निहित रहते हैं। वे सभी चुनौतियों का सामना अपनी शारीरिक व मानसिक ऊर्जा के द्वारा आसानी से कर लेती हैं। भारत अब प्रगति के पथ पर अग्रसर है, ऐसे में अगर वो अपनी आधी आबादी के सशक्तिकरण व विकास पर ध्यान नहीं देगा तो सफलता उससे कोसों दूर रहेगी। इसीलिए

अब लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है और उन्हें अपनी क्षमता अनुसार महत्वपूर्ण पद और जिम्मेदारियां संभालने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

महिलाएं समाज में बदलाव लाने की क्षमता रखती हैं। इसलिए पूरी उम्मीद के साथ कहा जा सकता है कि भारत की महिलाएं अपनी कार्यक्षमता व दृढ़ इच्छाशक्ति से देश को उन्नति के शिखर पर ले जाने में पूर्ण रूप से कामयाब होंगी। जहां आधी आबादी को उनके अधिकार नहीं मिलते,उन्हें दबाया या कुचला जाता है, वो देश या समाज कभी विकास नहीं कर पाता। कोई देश तभी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ सकता है,जब उसके समाज में लैंगिक समानता हो। अर्थात समाज में महिलाओं तथा पुरुषों को समान रूप से दायित्व, अधिकार और रोजगार प्राप्त हों। समाज में भेदभाव की स्थितियां देश व समाज के विकास में बाधा पहुंचाती हैं। भारत की महिलाएं वर्षों से अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए संघर्ष करती रही हैं। वर्तमान में महिलाओं की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, किंतु आज भी उन्हें कई पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अधिकतर कार्यस्थल पर महिलाएं शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना झेलती हैं और विरोध करने पर उल्टा उन्हें ही दोषी ठहराया जाता है। वे किसी से इसकी शिकायत न करें, इसके लिए उन्हें कई तरह से परेशान किया जाता है।

कई घरों में महिलाओं को घर से बाहर निकल कर नौकरी करने की अनुमति नहीं दी जाती और यदि वे नौकरी करती भी हैं तो उन पर घर और ऑफिस का इतना अधिक बोझ बढ़ जाता है कि मजबूर होकर उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ती है। जो महिलाएं घरों में खाना बनाने, झाड़ू-पोंछा,बर्तन धोने आदि का काम करके आजीविका प्राप्त करती हैं, उन्हें भी उनकी मेहनत के अनुसार वेतन प्राप्त नहीं हो पाता। गृहिणियों के कामों को अवैतनिक माना जाता है और उन्हें अपने खर्चे के लिए पति या घर के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। महिलाओं की तस्करी, घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं। इसके बावजूद महिलाओं की स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं हो सका। शायद इसका कारण यह भी है कि महिलाएं कुछ पारिवारिक- सामाजिक विवशताओं के चलते इन कानूनों का अपने पक्ष में उपयोग करने में भी असमर्थ होती हैं।

देश की महिलाएं अब कला, खेल, विज्ञान, तकनीक और रक्षा क्षेत्र जैसे सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। अक्सर देखा जाता है कि जो महिलाएं खेती किसानी के कामों में, मिल और फैक्ट्रियों में बतौर श्रमिक पुरुषों के समान काम करती हैं, उनका पारिश्रमिक पुरुषों से कम होता है। यह भेदभाव अत्यंत चिंताजनक है और इसे दूर किया जाना चाहिए।

सरकार की ओर से महिलाओं की हिंसा तथा यौन शोषण को रोकने और उनके विकास के लिए बहुत से उपाय किए जा रहे हैं। वित्तपोषण सेवाओं के साथ- साथ महिलाओं की दक्षता और रोजगार कार्यक्रम देश की ग्रामीण महिलाओं तक पहुंच रहे हैं। यौन शोषण, घरेलू हिंसा और असमान पारिश्रमिक से संबंधित कानूनों को मजबूती दी जा रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन तक तथा राजनीति से लेकर रक्षा क्षेत्र तक में वे अपना परचम लहरा रही हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और अपनी सशक्त भूमिका हर क्षेत्र में बखूबी निभा रही हैं। इतना कुछ होने के बाद भी समाज को महिलाओं के प्रति जागरूक होना पड़ेगा, उनकी सुरक्षा करनी होगी और हर क्षेत्र में उन्हें समान अवसर प्रदान करने होंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 108

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.107 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सबकी नजरें सजा पर टिकी

ऐतिहासिक फैसले में न्यूयॉर्क की अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में दोषी करार दिया। पहली बार है, जब किसी पूर्व या मौजूदा राष्ट्रपति को दोषी करार दिया गया।

वह भी 34 मामलों में। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने इस फैसले को अपमानजनक कहा और अध्यक्षता करने वाले जज को भ्रष्ट बताया। वे इसके खिलाफ अपील करेंगे। ट्रंप पर आरोप है कि 2016 में उन्होंने स्कैंडल से बचने के लिए पोर्न फिल्म स्टार को मुंह बंद रखने को कानूनी खर्च के तौर पर गुप्त रूप से मोटी रकम चुकाई थी जो उनके विवाहेतर संबंधों की कहानी अखबार को बेचने की बात कर रही थी।

विशेषज्ञों के अनुसार जिन मामलों में पूर्व राष्ट्रपति दोषी ठहराए गए हैं, उनमें जेल की सजा की संभावनाएं बहुत कम हैं, बल्कि मोटा जुर्माना लगने की संभावना अधिक है। यह भी किउन्हें घर पर नजरबंद रखा जा सकता है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक जेल होने पर भी ट्रंप की उम्मीदवारी को आंच नहीं आ सकती। उनकी पार्टी ने व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल ट्रंप पर अपना भरोसा भी जताया है जबकि अभी औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाना बाकी है।

पार्टी के आधे से अधिक पदाधिकारियों का उन्हें पहले से समर्थन प्राप्त है। कहा जा रहा है, उनमें से कुछ के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर द्वारा जब ट्रंप पर लगे आरोपों को घोर अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था तभी उनके विरोधियों को भरोसा हो गया था कि वे चुनाव से पहले मुसीबतों में घिर सकते हैं। उन्होंने इसे कानूनी मानने की बाजाय राजनीतिक एक्सरसाइज करार दिया।

पहले से ही माना जा रहा है कि सारी कवायद चुनाव को लेकर ही चल रही है। व्यवसायी होने के बावजूद ट्रंप सधे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। विरोधियों को टक्कर देने के मामले में पूरा दम-खम लगाने से नहीं चूकते। उन्हें युवाओं और जोशीले लोगों का समर्थन रहा है जिनके बारे में आकलन है कि वे अपने नेता के प्रति समर्पित बने रहने में कोताही नहीं करेंगे। हालांकि सबकी नजरें अब सजा पर टिकी हैं, जो अमेरिकी इतिहास ही नहीं, दुनिया भर के राजनीतिज्ञों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है। (आरएनएस)

भारत के स्वर्ण भंडार से सौ टन सोना देश वापसी के मायने

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटिश बैंकों में जमा भारत के स्वर्ण भंडार से सौ टन सोना देश वापस लाया है। साल 1991 के प्रारंभ के बाद से स्थानीय भंडार में जोड़ी गयी यह सबसे बड़ी मात्रा है। खबरों के मुताबिक, आगामी महीनों में बड़ी मात्रा में सोने को देश वापस लाने की संभावना है।

रिजर्व बैंक सोने की बड़ी खरीद भी कर रहा है। पिछले साल 16 टन सोने की खरीद हुई थी और इस वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 19 टन सोना खरीदा गया है। यह खरीद 2018 से शुरू हुई है। उससे पहले 2009 में वैश्विक वित्तीय संकट के समय 200 टन सोने की खरीद हुई थी। दुनियाभर के केंद्रीय बैंक हाल के वर्षों में अपनी मुद्रा के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित रखने तथा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के असर को कम करने के लिए बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं।

इस वर्ष मार्च के अंत तक रिजर्व बैंक के पास 822.10 टन स्वर्ण भंडार था, जिसमें से 408.31 टन देश में रखा गया है। भुगतान सहूलियत और भंडारण आदि विभिन्न कारणों से देश का सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं के पास जमा किया जाता है। इसके लिए कुछ नियमित शुल्क भी दिया जाता है। माना जा रहा है कि शुल्क की बचत, भंडारण में विविधता तथा विदेश में बढ़ रही सोने की मात्रा में कमी लाने आदि कारणों से रिजर्व बैंक सोना देश में ला रहा है। सोना एक सुरक्षित परिसंपत्ति माना जाता है।

इसे अधिक मात्रा में देश में रखने के निर्णय से यह भी इंगित होता है कि रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता को लेकर अपेक्षाकृत अधिक आश्वस्त है। वर्तमान समय में, जब भारत सबसे अधिक तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है तथा वैश्विक परिदृश्य में उसके महत्व में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, तो अंतरराष्ट्रीय भुगतान गारंटी, कर्ज प्रबंधन या सुरक्षा के लिए बहुत ज्यादा सोना विदेश में रखने की जरूरत नहीं है। स्वर्ण भंडार के साथ-साथ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सोना वापस लाने से यह भी संकेत मिलता है कि रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन में रणनीतिक सोच से प्रेरित है। उल्लेखनीय है कि 1990-91 में अंतरराष्ट्रीय भुगतान को लेकर भारत की वित्तीय स्थिति बेहद नाजुक हो गयी थी। तब बड़ी मात्रा में सोना विदेश भेजना पड़ा था और उसके आधार पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं ने कर्ज मुहैया कराया था। अब लगभग साढ़े तीन दशक बाद हम अपना सोना वापस ला रहे हैं, इसका सीधा अर्थ है कि भारत अपनी आर्थिक एवं वित्तीय क्षमता को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हो चुका है। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल ने उचित ही कहा है कि सोना वापस लाने का एक विशेष अर्थ है। (आरएनएस)

पानी की किल्लत को लेकर महिला कांग्रेस ने किया जल संस्थान पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। किशन नगर, काठबंगला, कैनाल रोड आदि क्षेत्रों में पानी की किल्लत को लेकर महिला कांग्रेस ने जल संस्थान कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष उर्मिला ढौडियाल थापा के नेतृत्व में महिलाओं ने किशननगर डाईवजन से नीचे, काठबंगला, आंशिक कैनाल रोड़, शनिदेव मंदिर के आगे गब्बर सिंह बस्ती, ढाकपत्ती गांव राजपुर के विभिन्न स्थानों में विगत कई दिनों से पीने का पानी ना आने पर जल संस्थान कार्यालय राजपुर रोड़ पर प्रदर्शन कर नारेबाजी की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विगत कई दिनों से विभिन्न स्थानों में पीने का पानी सप्लाई नही हो रहा है जिससे स्थानीय जनता को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि उक्त क्षेत्रों में पानी की व्यवस्था शीघ्र नही की गई तो पुनः जल संस्थान का घेराव किया जायेगा। थापा ने कहा कि जल संस्थान पानी की व्यवस्था करने में पूरी तरह फेल हो चुका है। उन्होंने कहा कि जब राजधानी का हाल यह है तो अन्य जगहों का क्या होगा स्वयं अंदाजा लगाया जा सकता है। इस अवसर संगीता, पूजा, अनुराधा तिवाडी, ललिता, पल्लवी, सविता, अनिता, लता देवी, गोदावरी, लीला, भारती देवी, राजकुमारी, पूजा, सविता, सपना, चेतराम यादव, हरिबहादुर क्षेत्री आदि उपस्थित थे।

दो विधानसभाओं में होने वाले उप चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की दो विधानसभाओं में होने वाले उप चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू हो चुकी है और इन विधानसभाओं में 14 जून से नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो रही है जिसको लेकर भाजपा व कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया दोनों सीटों पर प्रचंड बहुमत की जीत हाँसिल करने के लिए पार्टी ने रणनीति तैयार कर ली है जिसके लिए पार्टी ने दोनों विधानसभाओं में 2-2 पर्वेक्षको की नियुक्ति की है जो अपनी संबंधित विधानसभाओं में जा कर जातीय क्षेत्रीय समीकरणों के अनुसार कार्यकर्ताओ से रायसुमारी कर प्रदेश नेतृत्व को सम्भावित दावेदारों की लिस्ट सौंपेंगे। जिसके बाद प्रदेश पार्लियामेंट बोर्ड की बैठक में विचार विमर्श के बाद 3 नामो का पैनल बनाकर केन्द्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड को भेजा जाएगा उसके बाद प्रत्याशी की घोषणा की जाएगी। बताया कि मंगलोर विधानसभा के लिए प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी व पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक खजानदास को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है और बद्रीनाथ विधानसभा के लिए कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत व रुद्रप्रयाग से विधायक भारत चौधरी को नियुक्त किया गया है।वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि कांग्रेस राज्य में उपचुनाव पूरे जोर शोर से लड़ने जा रही है। जिसके लिए जल्द प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जायेगी।

भैरव सेना ने पर्यटन विभाग का बुद्धि... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

विगत कुछ वर्षों में तीर्थधामों में विकृत मानसिकता के धर्म-निरपेक्ष व्यक्तियों की घुसपैठ व्यापारिक तथा पर्यटन के उद्देश्य से हो रही है। जिस कारण सनातन ध र्म में आस्थावान न होने के चलते कई बार आपसी टकराव की स्थिति भी बन जाती है, और इसका सबसे प्रमुख कारण धर्मस्व तथा पर्यटन विभाग की मिलीभगत से तीर्थधाम में तीर्थाटन के बजाय पर्यटन को बढ़ावा देना है। निकट भविष्य में स्थिति और तनावपूर्ण होने के आसार हैं। तीर्थ यात्रा की अराध्य देवी शक्तिपीठ धारी देवी मंदिर परिसर में मोटर बोटिंग शुरू कर दी गई। पहले दूर से आस्थावान श्रद्धालुगण मां के दर्शनार्थ पारंपरिक रूप से आते थे। परन्तु अब मंदिर से अधि क मोटर बोटिंग के लिये अर्द्ध नग्न वस्त्रों में फूहड़ता के साथ पर्यटक आते हैं। जोकि सनातन आस्थाओं के साथ खिलवाड़ है। केन्द्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने इन सभी मांगों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। प्रदेश अध्यक्षा अनिता थापा ने कहा की यदि अति शीघ्र केदारनाथ धाम में क्षेत्रीय निवासियों के अधिकारों का हनन पर रोक तथा विशिष्ट यात्रियों के लिये थार गाड़ी का संचालन बंद नहीं हुआ तो बड़ा आन्दोलन की तैयारी केदारघाटी में की जायेगी। करण शर्मा ने कहा की ध ामों का अपमान अब देवभूमि बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

यातायात प्रबन्धन व प्रवर्तन में किया जायेगा ड्रोन सर्विस का प्रयोगः मोहसिन

संवाददाता

देहरादून। निदेशक यातायात मुख्तार मोहसिन द्वारा जनपदों को अवगत कराया कि इस वर्ष राज्य के सभी जनपदों में ड्रोन सर्विस का प्रयोग यातायात प्रबन्धन एवं प्रवर्तन की कार्यवाही में प्रयोग किया जायेगा।

आज यहां मुख्तार मोहसिन,पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक यातायात उत्तराखण्ड द्वारा राज्य की यातायात व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक वीडीयों कान्फ्रेंसिग के माध्यम से आयोजित की गई। उक्त गोष्ठी में जनपदों में यातायात व्यवस्था के अन्तर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही, ई-चालान द्वारा की गई कार्यवाही, टोईंग की कार्यवाही, घटित दुर्घटनाओं के कारण, दुर्घटना के बाद उठाये गये कदम एवं भविष्य में दुर्घटना मुक्त यातायात के उपायों पर चर्चा की गई। उक्त गोष्ठी में पुलिस महानिरिक्षक/निदेशक यातायात ने निर्देश दिये कि राज्य में दुर्घटना के आकड़ों को एचआरएडी के माध्यम से फीड किया जा रहा है जिसमें दुर्घटना के समय एवं कारणों का विस्तृत पता चल पा रहा है। समय के अनुसार घटित होने वाले दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु इण्टरसेप्टर एवं हाईवे ट्रैफिक पैट्रोल यूनिट को दुर्घटना घटित होने वाले समय के अनुसार तैनात करेंगे। इसके साथ ही जनपदों में यातायात व्यवस्था हेतु उपलब्ध करायी गई इण्टरसेप्टर एवं हाईवे ट्रैफिक पैट्रोल यूनिट में जीपीएस सिस्टम लगवायें जाये साथ ही सभी वाहनों को 112 से लिंक करेंगे ताकि सभी वाहनों को मानिटरिंग की जा सकें। इसके साथ ही जनपदों को हिट एण्ट रन वाहन दुर्घटना योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश जारी किये गये है साथ ही पीड़ीतों को 30 दिन बाद तत्काल मुआवजा दावे हेतु सूचित करेंगे।

निदेशक यातायात द्वारा जनपदों को अवगत कराया कि इस वर्ष राज्य के सभी जनपदों में ड्रोन सर्विस का प्रयोग यातायात प्रबन्धन एवं प्रवर्तन की कार्यवाही में प्रयोग किया जायेगा तो इसके लिए सभी जनपदों के मुख्य-मुख्य यातायात वाले नगरों की सूची तैयार कर लेंगे ताकि उन स्थानों पर ड्रोन की फ्लाईट से प्रवर्तन की कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही ड्रोन सर्विस के आकड़ों एवं निगरानी हेतु जनपदों में ड्यूटी भी तैनात करेंगे। 10 मई को मुख्य सचिव द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में बिना हेलमेट वाहन का प्रयोग करने वालो के विरुद्व कार्यवाही करेंगे। इसके साथ ही पिलियन राइडर के लिए भी हेलमेट पहनना जरुरी है अगर यदि कोई पिलियन राइडर बिना हेलमेट पाया जाता है तो उक्त के विरुद्व मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करेंगे।

स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रा कालोनी चुक्खुवाला निवासी हिमांशु असवाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गुनियाल गांव में घुमने के लिए आया था। उसने अपनी स्कूटी गुनियाल गांव पुल के नीचे खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों की ऑनलाइन ठगी में चार गिरफ्तार, कराये नोटिस तामील

चम्पावत (हसं)। आनलाइन ठगी के माध्यम से कई लोगों से चार लाख रूपये की ठगी करने वाले शातिरों को पुलिस ने छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से गिरफ्तार कर उन्हे नोटिस तामील कराये गये है। जानकारी के अनुसार चंपावत के थाना लोहाघाट क्षेत्र में अज्ञात साइबर ठगो द्वारा 3 व्यक्तियों से 3,98,798/रू0 की ऑनलाइन ठगी की गई थी जिस सम्बन्ध में थाना लोहाघाट में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। जांच के दौरान उक्त आरोपियों का छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में होना प्रकाश में आया। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें उक्त राज्यों में पहुंची। पुलिस टीमों द्वारा छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में जाकर सुरागरसी पतारसी करते हुए ऑनलाईन ठगी करने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए नोटिस तामील कराया गया तथा घटना के समय प्रयोग किये गये मोबाईलो को जब्त किया गया। आरोपियों के नाम आयुष सेन पुत्र दीपक सेन, निवासी जवलपुल मध्य प्रदेश, अनिल सैनी पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी भोपाल, मध्य प्रदेश व ओम प्रकाश डोगरे पुत्र कृपाराम डोगरे, निवासी तुमगांव, छत्तीशगढ़ बताये जा रहे है।

कर्मियों के हक पर डाका डालने को प्राइवेट वकीलों पर लुटाया खजानाः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि उपनल कर्मियों के हक पर डाका डालने के लिए सरकार ने प्राइवेट वकीलों पर खजाना लुटा दिया है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा उपनल कर्मियों के नियमितीकरण एवं महंगाई भत्ते आदि दिए जाने के मामले में सरकार को इनका हक दिए जाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन सरकार ने उक्त आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की, जिसमें प्राइवेट वकीलों की फौज खड़ी की गई। हैरानी की बात यह है कि उपनल कर्मियों की राह में रोड़ा अटकाने को सरकार ने एक करोड रुपए अधिवक्ता मुकुल रोहतक को भुगतान किया, जिसमें एक सुनवाई पर 20 लाख रुपए खर्च किए गए तथा प्राइवेट अधिवक्ता दिनेश द्विवेदी को लगभग 35 लाख रुपए भुगतान किया गया। ये आंकड़े जुलाई 2023 तक के हैं तथा इसके अतिरिक्त और भी अन्य खर्च किए गए हैं। सरकारी वकीलों को भी निर्धारित फीस व सुप्रीम कोर्ट आने-जाने का खर्चा चुकाया गया।

नेगी ने कहा कि जब प्राइवेट वकीलों से ही पैरवी करवानी है तो सरकारी वकीलों पर करोड़ों रुपए क्यों खर्च किया जा रहा। नेगी ने कहा कि गरीब व मेहनतकश कर्मियों को उनके हक से वंचित रखकर सरकार ने कर्मचारी विरोध ी होने का संदेश दिया। सरकार की मंशा ठीक होती तो बीच का रास्ता निकाला जा सकता था, लेकिन मकसद सिर्फ रोडा अटकना है। नेगी ने कहा कि अगर अन्य मामलों में भी पैरवी की बात की जाए तो वर्तमान व पूर्ववर्ती सरकारों ने अब तक करोड़ों रूपया पानी की तरह बहा दिया। नेगी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब सरकार ही लाखों- करोड़ों रुपए पैरवी में खर्च कर रही तो आम जन की क्या विसात।

पत्रकार वार्ता में अशोक चंडोक व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

एक नजर

रूसी सेना में भर्ती दो भारतीय नागरिक यूक्रेन संघर्ष में मारे गए

कीव । भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी सेना में भर्ती हुए दो भारतीय नागरिक यूक्रेन संघर्ष में मारे गए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने रूसी सेना में शामिल सभी भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई और वापसी के लिए नई दिल्ली स्थित रूसी राजदूत और मॉस्को स्थित रूसी अधिकारियों के समक्ष इस मामले को जोरदार तरीके से उठाया है।श बयान में आगे कहा गया कि भारत ने रूसी सेना द्वारा अपने नागरिकों की और ज्यादा भर्ती रोकने की भी मांग की है। मंत्रालय ने एक बार फिर भारतीय नागरिकों से रूस में रोजगार के अवसर तलाशते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया है। मार्च में विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और रूसी सैन्य इकाइयों में जान जोखिम में डालने वाली नौकरियां करने से बचने का निर्देश दिया था। सावधानी बरतने का यह निर्देश रूसी सेना में सहायक कर्मचारी के रूप में काम कर रहे दो भारतीय नागरिकों की मौत के बाद आया है। एक साप्ताहिक ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नागरिकों से अपील की कि वे रूसी सेना में सहायक नौकरियों के लिए एजेंटों द्वारा दिए जाने वाले प्रस्तावों से ष्बहकाएष न जाएं। उन्होंने कहा कि यह खतरे और जान को जोखिम में डालने वाला हो सकता है।

कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन थूगुदीपा हत्या के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई। कन्नड़ फिल्म स्टार दर्शन थूगुदीपा पर मर्डर का गंभीर आरोप लगा है। एक्टर को गिरफ्तार करके 6 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दर्शन को बीते दिन मैसूर स्थित उनके फार्महाउस से हिरासत में लिया गया था और फिर पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया था कि बेंगलुरु के चित्रदुर्ग में रहने वाले रेणुका स्वामी की हत्या के मामले में दर्शन का नाम सामने आया। इस मामले में एक्टर के खिलाफ 9 जून को कमाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी। उसी दिन कामाक्षीपाल्या के पास एक नाले से रेणुका स्वामी का शव बरामद हुआ था। इस मामले में दर्शन के अलावा 10 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, रेणुका स्वामी के मर्डर में शामिल एक आरोपी ने पूछताछ में दर्शन का नाम लिया था, जिसके बाद एक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया। मृतक रेणुका की मां ने भी एक्टर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। बताया जा रहा है कि रेणुका ने दर्शन की पत्नी पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक मैसेज भेजे थे। इसके बाद उनकी हत्या हो गई। कातिल हत्या के बाद रेणुका स्वामी की लाश को वृषभावती घाटी में ठिकाने लगाने की योजना बना रहे थे। लेकिन जब स्थानीय लोगों ने कुत्तों को नाले से शव को घसीटते देखा, तो पुलिस को जानकारी दी।

तीर्थ यात्रियों पर आतंकी हमले के खिलाफ बजरंग दल ने किया देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में तीर्थयात्रियों पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल ने बुधवार को राजधानी दिल्ली सहित देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। देशभर के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करने के बाद बजरंग दल और विहिप के नेताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन भी स्थानीय अधिकारियों को सौंपा। देश की राजधानी दिल्ली में भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल के नेतृत्व में बजरंग दल ने बुधवार को दक्षिणी पूर्वी जिले के जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर आतंकवाद और जिहादियों के खिलाफ जमकर नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर आतंकवाद के समूल नाश के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने का अनुरोध किया। इससे पहले इन्होंने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले में मारे गए तीर्थयात्रियों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि देश की नई सरकार के शपथ ग्रहण के दिन जम्मू कश्मीर के रियासी में तीर्थ यात्रियों पर हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल का यह देशव्यापी विरोध प्रदर्शन है।

हिन्दू श्रद्धालुओं की हत्या के विरोध में बजरंग दल में आक्रोश

संवाददाता

देहरादून। कश्मीर में शिव खोडी जा रहे श्रद्धालुओं की हत्या किये जाने पर बजरंग दल ने आक्रोश व्यक्त करते हुए जिला मुख्यालय पर पाकिस्तान का झंडा फाडकर जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रांत मिलन प्रमुख विकास वर्मा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर पाकिस्तान का झंडा फाडकर जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी कटरा से शिव खोडी जाते समय 9 जून को हिन्दू श्रद्धालुओं की बस पर क्रूर पाकिस्तानी पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों का कायराना हमला किया जिसमें निर्दोश 10 हिन्दू तीर्थयात्री मारे गये। सम्पूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली घटना है इस क्रूरतम दुष्कृत्य से पूरा देश आहत है और तीव्र आक्रोश में है। जम्मू कश्मीर लम्बे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है। धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी है लेकिन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी कम नहीं हुआ है। हिन्दूओं को चिन्हित करके उनकी हत्या की

❑जिला मुख्यालय पर पाकिस्तान का झंडा फाड़कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

घटनाएं बढी है इन सबके पीछे स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हाथ है। उन्होंने कहा कि देश की नई सरकार के शपथ के समय इस का दुस्साहसिक कृत्य करके इस्लामी आतंकवादियों ने देश की संप्रभुता को चुनौती दी है।

उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने का केन्द्र सरकार को निर्देश दें तथा इस प्रकार के तत्वों को संरक्षण देने वाले आंतरिक व विदेशी तत्वों का भी कठोरता से समुचित इलाज हो ऐसा केन्द्र सरकार को निर्देश दिया जाये। प्रदर्शन करने वालों में विशाल चौधरी, नवीन गुप्ता, श्याम शर्मा, अमन स्वेडिया, विशाल खेडा, सन्नी, आलोक सिन्हा व हरीष कोहली उपस्थित थे।

ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धपुरम हर्रावाला निवासी सौम्या अपनी स्कूटी से लालतप्पड से घर की तरफ आ रही थी। लालतप्पड से थोडी दूरी पर सामने से आ रही ट्रेक्टर ट्राली ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुताईकर्मी की मौत पर ठेकेदार सहित पांच के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। बिजली के पोल पर चढकर पुताई कर रहे युवक की मौत पर ठेकेदार सहित पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेडकर भवन रायपुर निवासी सोनू ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि ठेकेदार अमनदीप व चार अन्य लोगों के द्वारा उसके भाई योगेश को पुताई के लिए बिजली के जर्जर चढा दिया जिससे करंट लगने से उसके भाई की मौत हो गयी। पुलिस ने पांचों लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैफे संचालक पर हमला करने वाला एक गिरफ्तार, दो फरार

संवाददाता

देहरादून। कैफे संचालक पर हमला करने वाले एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है जबकि उसके साथी मौके से फरार हो गये। जिनकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर के कैफे संचालक राम शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में कुछ व्यक्तियो ने उसके कैफे में जबरन घुसने की कोशिश की जिन्हें उसके व अन्य कर्मचारियों द्वारा रोका गया तो उन्होंने गाली गलौच शुरू कर दी। जिस पर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच उक्त व्यक्तियों को समझा कर भेज दिया। पुलिस के जाने के कुछ देर बाद वह फिर वहां पर आ गये और उसके कैफे पर हथियार बंद होकर घुसने की कोशिश की और उस पर चाकू से हमला किया जो कि उनके गेस्ट बसंल को लगा जिनको मैक्स में भर्ती कराया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों की शिनाख्त शिवम अग्रवाल, गोपाल भारी, कार्तिक भाटिया के रूप में हुई। पुलिस ने शिवम अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया जबकि गोपाल भारी व कार्तिक भाटिया मौके से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार मां बेटे घायल

संवाददाता

देहरादून। बुलेरो कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार मां बेटे घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवन वाला निवासी आनंद सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा अपनी मां के साथ मोटरसाईकिल से रायवाला से घर की तरफ आ रहा था जब वह लालतप्पड के पास पहुंचे तभी सामने से तेज गति से आ रही बुलेरो कार सवार ने उनकी मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको आसपास के लोगों ने स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। कार सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।